



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १५०] नई दिल्ली, बुधवार, जून १९, १९७४/एप्रेल २९, १८९६

No. 150] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 19, 1974/JYAISTHA 29, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 19th June 1974

SUBJECT.—*Import Policy for April, 1974—March 1975—facility of repeat operation.*

No. 91-ITC(PN)/74.—Attention is invited to paragraphs 14, 42 and 107 of Section I of the I.T.C. Policy Red Book (Volume—I) and paragraph 55 of Part B, Section I of the Red Book (Volume—II) for the period April 1974—March 1975 on the subject mentioned above.

2. For the purpose of 'repeat operation' under the aforesaid policy, the licence holders will require both "Customs purposes" and "Exchange Control" copies of their import licences. Therefore, in cases where the licence holders have handed over the Exchange Control Copies of their import licences to authorised dealers in foreign exchange (i.e. the banks), they may approach the banks concerned for getting back the Exchange Control Copies for availing of the facility of repeat operation.

3. It is further clarified that remittance of foreign exchange as well as shipments against the licences covered by the facility of repeat operation can be made from the date of announcement of the Import Policy i.e. with effect from 2nd April 1974. In respect of licences issued against foreign credits also, the prescribed period for placement of orders would commence from 2nd April, 1974.

B. D KUMAR,

Chief Controller of Imports & Exports

वार्णिज्य संग्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 19 जून, 1974

विषय.—अप्रैल 1974—मार्च 1975 के गिप्त आयात नीति—आवृत्ति—परिचालन की सुविधा ।

सं० 91-आई टी सी (पी एम)/74.—उपर्युक्त विषय पर, अप्रैल 1974—मार्च 1975 अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण निति रेडबुक (वा०-1) के खण्ड-1 की कड़िका 14, 42 और 107 तथा डबुक (वा०-2) के खण्ड-1 भाग-बी की कड़िका 55 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. उपर्युक्त नीति के अन्तर्गत “आवृत्ति परिचालन” के उद्देश्य के लिए लाइसेंसधारियों को उनके आयात लाइसेंसों की दोनों प्रतियों “सीमा-शुल्क प्रयोजन तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण” की जरूरत होगी । इस लिए वे लाइसेंसधारी जिन्होंने अपने आयात लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों को विदेशी मुद्रा (जैसे बैंक) में लेन-देन करने वाले प्राधिकृत व्यापारियों को सौंप दिया है, तो वे आवृत्ति परिचालन की सुविधा प्राप्त करने के लिए बैंक मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों के लिए संबंधित बैंकों से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं ।

3. आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि आवृत्ति परिचालन की सुविधा के अन्तर्गत लाइसेंसों के मद्दे विदेशी मुद्रा का प्रेषण और साथ ही पोतलदान आयात नीति की घोषणा की तारीख अर्थात् 2 अप्रैल, 1974 से किया जा सकता है । विदेशी क्रेडिट के मद्दे जारी किए गए लाइसेंसों के सम्बन्ध में भी आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि 2 अप्रैल 1974 से ही शुरू होगी ।

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।